पर्यावरण का अर्थ
(Meaning of Environment)

पर्यावरण एक अति व्यापक शब्द है। इसे अंग्रेजी में Environment कहते हैं। यह शब्द फ्रेंच भाषा के शब्द Environment से बना है जिसका अभिप्राय सम्पूर्ण पारिस्थितिकी (Ecology) अथवा परिवृत्त होता है। इसके अन्तर्गत सभी स्थितियाँ, परिस्थितियाँ, दशाएँ एवं प्रभाव जो कि जैव तथा जैविकीय समूह पर प्रभाव डालते हैं, शामिल हैं।

पर्यावरण का शाब्दिक अर्थ होता है आस-पास या पास-पड़ौस, मानव, जन्तुओं या पौधों की वृद्धि एवं विकास को प्रभावित करने वाली बाह्य दशाएँ, कार्यप्रणाली तथा जीवनयापन की दशाएँ आदि। यहाँ इस सम्बन्ध में तीन प्रश्न आते हैं—

(1) चारों ओर क्या घिरा हुआ है?

Scanned by TapScanner

(2) किसके द्वारा घिरा हुआ है?

(3) कहाँ घिरा हुआ है?

इस प्रकार पर्यावरण का शाब्दिक अर्थ 'वह जो हमें चारों ओर से घेरे हुए है' निकलता है। हमारे आस-पास का धरातल, जलमण्डल, वायुमण्डल, वनस्पति तथा प्राणिजगत मिलकर हमारे पर्यावरण की रचना करते हैं।

सामान्य रूप में पर्यावरण को प्रकृति के समान मानते हैं जिसमें भौतिक पक्षों को सम्मिलित करते हैं जो जीव जगत को प्रभावित करता है। **ए. गाउजी** ने अपनी पुस्तक *''The Nature of Environment''* में पृथ्वी के भौतिक घटकों को ही पर्यावरण का प्रतिनिधि माना है, उनके अनुसार पर्यावरण को प्रभावित करने में मनुष्य एक महत्त्वपूर्ण कारक है।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट होता है कि मनुष्य को समझने के लिए उसके चारों ओर के भौतिक वातावरण, जीवधारियों तथा पौधों को समझना होगा। पर्यावरण में सभी प्रकार के भौतिक जैविक प्राणियों को सम्मिलित किया जाता है। इस प्रकार सभी शिक्षाविदों का सम्बन्ध 'बालक तथा उसके पर्यावरण' से होता है। पर्यावरण का सम्बन्ध वह सम्पूर्ण परिस्थितियाँ हैं जिनसे व्यक्ति घिरा हुआ है और उसकी दिनचर्या तथा कार्य-प्रणाली को प्रभावित करती हैं। आरम्भ में वातावरण को संकुचित अर्थ में प्रयोग करते थे। परन्तु आज विकास के युग में पर्यावरण के अन्तर्गत सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक तथा मनोवैज्ञानिक कार्यों तथा गतिविधियों को सम्मिलित करते हैं। मानव की कार्य-शैली पर यह पक्ष अधिक प्रभाव डालते हैं क्योंकि वह एक सामाजिक प्राणी है।

पर्यावरणीय शिक्षा की परिभाषाएँ
(Definnitions of Envirionumental Education)

पर्यावरणीय शिक्षा को स्पष्ट करने के लिए निम्नलिखित परिभाषाएँ दी जा रही हैं—

(1) *''पर्यावरणीय शिक्षा नामक उन विद्यालयी विषयों की ओर संकेत करता है, जो मानवीय सम्बन्धों का विवचेन करते हैं।''* **—ई.वी. वेस्ले**

''The designation, named ''Environmental Education indicates towards, those school subjects which explain the human relations.'' **—E.V. Wesley**

(2) *''शिक्षा का कार्य व्यक्ति का पर्यावरण से उस सीमा तक सामंजस्य स्थापित करना है, जिससे व्यक्ति और समाज दोनों को स्थायी सन्तोष प्राप्त हो सके।''* **—थॉमसन**

''The function of eduction is to establish the adjustment with environment by the person, upto that extent where man and society both get ulitmate satisfaction.'' **—Thosmson**

(3) *''शिक्षण वह साधन है जिसके द्वारा समाज अपने बालकों को चुने हुए पर्यावरण से जिसमें कि उनको रहना है, शीघ्रतिशीघ्र अनुकूलन करने की क्रिया में प्रशिक्षित करता है।''* **—सिम्पसन**

''Education is such a medium by which the society teacher its children to make friendly balance, as soon as paossible with selected environment in which they have to live.'' **-Simpson**

(4) *''पर्यावरणीय शिक्षा पर्यावरणीय संरक्षण के लक्ष्यों को लागू करने का एक ढंग है। यह विज्ञान की एक पृथक् शाखा या कोई पृथक्र अध्ययन विषय नहीं है। इसको जीवनपर्यन्त एकीकृत शिक्षा के सिद्धान्त के रूप में लागू किया जाना चाहिए।''* **—फिनिश नेशनल कमीशन**

''Environment education is a way of implementing the goals of environmental protection. Environmental education is not a separate branch of science of subject of study. It should be implemented according to the principle of life long integrated education.'' **—Finish National Commission**

Scanned by TapScanner

पर्यावरणीय शिक्षा की विशेषताएँ
(Characteristics of Environmental Education)

पर्यावरण शिक्षा की परिभाषाओं एवं उसकी अवधारणा का विश्लेषण करने पर निम्नलिखित विशेषताएँ प्रकट होती हैं—

(1) पर्यावरण एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके अन्तर्गत मानव की सांस्कृतिक एवं जैविक, वातावरण के पारस्परिक सम्बन्धों की व्याख्या की जाती है।

(2) पर्यावरण शिक्षा के द्वारा मानव में पर्यावरण सम्बन्धित ज्ञान, मूल्य, विश्वास एवं कुशलता का विकास होता है जोकि पर्यावरण संरक्षण में महत्त्वपूर्ण योगदान होता है।

(3) पर्यावरण शिक्षा में पर्यावरणीय असन्तुलन की स्थिति का ज्ञान होता है तथा इसमें सन्तुलन स्थापित करने की विधियों का भी ज्ञान होता है।

(4) पर्यावरण शिक्षा मानव की भौतिक, सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक तथा जैविक पर्यावरण की सूचनाएँ प्रदान की जाती है। इस ज्ञान का व्यावहारिक जीवन में प्रयोग एवं सार्थकता को सिद्ध करने के लिए पर्यावरण शिक्षा महत्त्वपूर्ण योगदान देती है।

(5) पर्यावरण प्रदूषण को दूर करने के उपायों के सन्दर्भ में एवं पर्यावरण की गुणवत्ता के सन्दर्भ में पर्यावरण शिक्षा महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करती है।

(6) पर्यावरण शिक्षा मनुष्य में रचनात्मक प्रक्रिया का विकास करती है, जिससे मानव अपने जीवन को पर्यावरण संरक्षण के माध्यम से सर्वोत्तम बना सके।

(7) पर्यावरण शिक्षा मानव में जीवन एवं पर्यावरण के प्रति जागरुकता उत्पन्न करने की महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है।

(8) पर्यावरण शिक्षा का सम्बन्ध मानव के वर्तमान जीवन एवं भविष्य से होता है। इसके ज्ञान द्वारा वह समस्याओं का समाधान स्वयं खोजता है।

(9) पर्यावरण शिक्षा स्वास्थ्य जीवन का प्रमुख आधार है। इसकी प्राप्ति हेतु मानव में सृजनात्मकता का विकास होता है।

(10) पर्यावरण शिक्षा में सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्ष दोनों को ही महत्त्वपूर्ण स्थान दिया जाता है, जिससे कि प्राप्त ज्ञान के माध्यम से मनुष्य पर्यावरण असन्तुलन को दूर कर सके।

(11) इस प्रक्रिया में विभिन्न आयामों एवं प्रदूषण की समस्याओं का कारण, प्रभाव तथा नियन्त्रण उपायों के सन्दर्भ में अध्ययन किया जाता है।

Scanned by TapScanner